Q6. झारखंड के संथालों के निवास क्षेत्र, आर्थिक व सामाजीक स्थिति का वर्णन करें।

→ भारतीय जनजातियों में संथालों का सर्वप्रमुख स्थान है। डॉ॰ P.C. विश्वास के अनुसार संथाल भारत की सर्वाधिक अनुशासित जनजातियों में से है। मूलत! कृषक के ये लोग खेती के अलावे आखेट व खाद्य संग्रहण द्वारा अपना गुजर-बसर करते हैं। अंधविश्वासी संथाल लोगों का सामाजीक जीवन बड़ा ही संगठित एवं विकसित ढंग का होता है। आधुनिक समाज के साथ तालमेल बिठाते हुए संथाल जनजाति निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है।

(i) निवास क्षेत्र (HABITAT) :- संथाल जनजाति झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़िसा व असम में पाई जाती है। परन्तु इनका मुख्य निवास स्थान झारखंड का संथाल परगाना डिवीजन है जिसमें संथाल परगना, रांची, पलामू व हजारीबाग। जिले शामिल हैं। ये समस्त क्षेत्र छोटानागपुर का पठारी भाग है। इनके निवास क्षेत्र के रूप में, राजमहल की पहाड़ीयों विशेष उल्लेखनिय हैं।

ये क्षेत्र खानिज पदार्थों लोहा तथा कोयला की दृष्टि से अत्याधिक समृद्ध है। वर्षा भी पर्याप्त होती है। जंगल भी बहुत अधिक मात्रा में हैं। अत! शिकार हेतु पशु-पक्षी भी मिल जाते हैं। संथालों के निवास क्षेत्र को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक निम्न हैं —

(a) जलवायु (CLIMATE) :- इस प्रदेश की जलवायु उष्ण कटिबंधिय मानसूनी है। यहाँ गर्मी का तापमान 30-35°C तक तथा जाड़े का 15-20°C तक रहता है। ग्रीष्मकालिन वर्षा 160-180 cm तक होती है। वर्षा बंगाल की खाड़ी मानसून द्वारा ही होती है।

Scanned with CamScanner

जाड़े में भी 10 c.m तक वर्षा हो जाती है।

(b) <u>वनस्पति (VEGETATION)</u> :- वर्षा की अधिकता के कारण इस प्रदेश में घने वन पाए जाते हैं। मानसूनी पतझड़ वनों की अधिकता होती है। वनों का संथालों के जीवन में बड़ा महत्व है। वनों से इन्हें फल, अनाज, लकड़ी तथा शिकार की प्राप्ती हो जाती है।

(ii) <u>आर्थिक उद्यम (ECONOMIC OCCUPATION)</u> :- संथाल लोग मूलतः कृषक हैं। कृषि के अलावे ये लोग शिकार तथा खाद्य संग्रह भी किया करते हैं। ये लोग मुख्य रूप से चावल की खेती किया करते हैं। इनके आर्थिक जीवन के मुख्य पहलू निम्नलिखित हैं—

(a) <u>कृषि (AGRICULTURE)</u> :- संथाल जनजाति ने खेती करना 19 वी शताब्दी में सिखा इससे पहले ये लोग जीविका निर्वाह हेतु पूर्णतः आखेट पर निर्भर थे। अब ये लोग चावल, ज्वार, बाजरा आदि की खेती करते हैं। जंगलों को साफ करके खेती करने वाली जातियों में संथाल सर्वोत्तम हैं लेकिन अभी भी ये बहुत अच्छे कृषक नहीं हैं। इनकी कृषि निम्न स्तर की है तथा उत्पादन बहुत कम होता है।

~~(b) [illegible]~~ :-

(b) <u>शिकार ( )</u> :- ये लोग कुशल शिकारी होते हैं। प्रायः अप्रैल के मध्य से जून तक ये लोग आखेट करते हैं और तालाबों, नदियों व झीलों में मछलियाँ पकड़ते हैं।

(c) <u>अन्य उद्यम</u> :- संथाल लोग अपनी आर्थिक आत्मनिर्भरता खो चुके हैं किसी समय ये लोग कपड़ा, बर्तन और औजार बनाने का कार्य स्वयं करते थे। अब ये

Scanned with CamScanner

लोग निकट के खानों में काम करते हैं और मजदूरी भी। चाय के बागानों में तथा औद्योगिक क्षेत्र में भी ये लोग कार्य रत हैं। ये लोग जंगलों से लाख एकत्रित करते हैं और टोकरियाँ भी बुनते हैं।

(iii) सामाजिक जीवन (SOCIAL LIFE):- संथालों का सामाजिक संगठन बहुत ही उच्च ढंग का होता है। यह परहा (PERHA) प्रणाली पर आधृत होता है इसके अनुसार प्रत्येक गाँव का एक मुखिया होता है। यह गाँव में ही रहता है और गाँव के सभी निवासियों पर इसका राजनैतिक अधिकार होता है। बड़े गाँवों में समाज की सत्ता पंचायत के हाथों में होती है। लेकिन वहाँ भी गाँव के साधारण एवं राजनैतिक मामलों में मुखियों की बातें महत्व-पूर्ण होती हैं। इनके सामाजिक जीवन के मुख्य पहलू निम्न-लिखित हैं:—

(a) पारिवारिक जीवन (FAMILY LIFE):- संथाल लोगों में संयुक्त परिवार प्रथा प्रचलित है। इनका परिवार पितृ-सत्तात्मक होता है। परि-वार का सबसे बड़ा-बूढ़ा व्यक्ति परिवार का मुखिया होता है। परिवार के सभी सदस्य सामूहिक रूप से अर्थोपार्जन करते हैं।

(b) भाषा (LANGUAGE):- संथालों की मुख्य भाषा मुंडा है जो आस्ट्रिक भाषा की एक उप शाखा है। इसके अलावे ये लोग बिहारी, बंगाली व असमिया भी बोलते हैं। अतः ये लोग बहुभाषी होते हैं।

(c) धार्मिक जीवन (RELIGIOUS LIFE):- संथालों में मुख्य देवता सिंग बोंगा हैं। ये लोग पितरों की भी पूजा किया करते हैं। समय-समय पर मुर्गी व सूअर की बली किया करते हैं। कृषि कार्यों की

Scanned with CamScanner